

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के वास्तुकला विभाग, वास्तुकला एवं एकीस्टिक्स संकाय द्वारा 'इस्लामी कला एवं वास्तुकला पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2025' का उद्घाटन

नई दिल्ली, 13 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के वास्तुकला विभाग, वास्तुकला एवं एकीस्टिक्स संकाय द्वारा आयोजित इस्लामी कला एवं वास्तुकला पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICIAA 2025), राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर 11 नवंबर, 2025 को शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में इस्लामी डिज़ाइन और परंपराओं के विकास, प्रतीकवाद और प्रासंगिकता का अन्वेषण करने के लिए स्कॉलर, व्यवसायी, शिक्षाविद और छात्र एक साथ आए। व्याख्यानों, पैनल चर्चाओं और गैलरी में एक उत्कृष्ट प्रदर्शनी के साथ, इस सम्मेलन का उद्देश्य इस्लामी कला और वास्तुकला की सांस्कृतिक गहराई, समृद्धि और वैश्विक प्रभाव को उजागर करना और उसका अन्वेषण करना है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने मुख्य अतिथि डॉ. फरीदुद्दीन फरीद असर, सांस्कृतिक परामर्शदाता, ईरान कल्चरल हाउस, नई दिल्ली के साथ 11 नवंबर को एम. एफ. हुसैन आर्ट गैलरी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में फोटोग्राफी और कला प्रदर्शनी 'द केलिडोस्कोप' का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में वास्तुकला और वास्तुकला संकाय के डीन प्रोफेसर कमर इरशाद, विभागाध्यक्ष और सम्मेलन की संयोजक प्रोफेसर तैय्यबा मुनव्वर के साथ-साथ वास्तुकला विभाग के सभी संकाय सदस्य, प्रतिनिधि और छात्र भी उपस्थित थे, जिन्होंने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रदर्शनी का आयोजन डॉ. मोहम्मद अरशद अमीन ने बड़ी ही बारीकी से किया था, और उनके साथ वास्तुकला विभाग के सह-क्यूरेटर मोहम्मद राहिल भी मौजूद थे। प्रवेश द्वार पर ईरानी दूतावास द्वारा प्रस्तुत तस्वीरों के साथ-साथ लघु मॉडल, पुस्तकें और यात्रा गाइड भी प्रदर्शित किए गए थे, जो ईरान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य कला की विरासत को दर्शाते थे। इन प्रदर्शनों में स्थापत्य कला की विशेषताओं, रूपांकनों, रेंडर्स और चित्रों के जीवंत संग्रह के माध्यम से इस्लामी कला और स्थापत्य कला की थीम को गहराई से दर्शाया गया था।

प्रदर्शनी के अग्रभाग को छात्रों द्वारा चित्रित इस्लामी जाली पैटर्न से सुसज्जित किया गया था, जबकि गैलरी हॉल के अंदर, छात्रों द्वारा स्वयं बनाए गए वाटर कलर, ऐक्रेलिक और मिक्सड मीडिया में चित्रों की एक श्रृंखला ने दीवारों को सुशोभित किया। डॉ. मोहम्मद अरशद अमीन के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला "स्टेन्ड पैलेट" के दौरान 31 अक्टूबर, 2025 को तैयार किए गए ग्लास चित्रों का एक आकर्षक मोज़ेक भित्ति चित्र, अपने लुभावने रंगों और जटिल शिल्प कौशल में आगंतुकों का स्वागत करता है। प्रदर्शनी में संकाय सदस्यों और छात्रों दोनों द्वारा खींची गई मनमोहक तस्वीरें भी शामिल थीं, जो दुनिया भर से इस्लामी वास्तुकला में प्रकाश और छाया, ज्यामिति और दृष्टिकोणों

के खेल को दर्शाती हैं। इन्हें बड़े कैनवस पर प्रस्तुत शानदार सुलेख कार्यों द्वारा पूरित किया गया था, जो इन अनुकरणीय टुकड़ों के बीच सामंजस्यपूर्ण रूप से समाहित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. फ़रीदुद्दीन फ़रीद असर ने छात्रों के रचनात्मक कार्यों की सराहना की, वास्तुकला में कला और सौंदर्यशास्त्र के महत्व पर प्रकाश डाला और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस्लामी वास्तुकला की विरासत को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. रिज़वी ने अपने अगले संबोधन में प्रदर्शनी की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी और सम्मेलन की थीम के प्रति उनके दृढ़ पालन की सराहना की।

उद्घाटन दिवस के समापन पर, प्रो. तैय्यबा मुनव्वर ने धन्यवाद ज्ञापन के लिए क्यूरेटर को मंच पर आमंत्रित किया। डॉ. मोहम्मद अरशद अमीन के दूरदर्शी मार्गदर्शन में, पिछले एक महीने से छात्र इस प्रदर्शनी की तैयारी में अथक परिश्रम कर रहे थे। अमीन ने उर्दू में एक प्रभावशाली भाषण के साथ शाम का समापन किया, जिसमें उन्होंने इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदर्शनी की सफलता में योगदान देने वाले सामूहिक प्रयासों का खूबसूरती से वर्णन किया। इस दिन का समापन अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में छोटे पौधे भेंट करने और प्रदर्शनी ब्रोशर के आधिकारिक अनावरण के साथ हुआ, जो अर. मोहम्मद राहिल का एक रचनात्मक प्रयास था।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी